हरिभूमि
# विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर



जबलपुर, गुरुवार 13 नवंबर 2025
login : www.haribhoomi.com

## खबर संक्षेप

### राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने शहडोल की टीम छतरपुर रवाना

**शहडोल।** मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शहडोल संभाग की टीम छतरपुर के लिए रवाना हो गई है। यह प्रतियोगिता 13 से 17 नवम्बर तक छतरपुर में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के विभिन्न संभागों की टीमें अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी। रवानगी के अवसर पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश कुमार धुर्वे, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, सुदर्शन मिश्रा, जिला खेल अधिकारी उमरिया शेख सलीम, शहडोल जिला खेल अधिकारी रामरूद्र पटेल एवं अनूपपुर जिला खेल अधिकारी खलील कुरेशी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय क्रिकेट टीम का चयन किया जाएगा। संभागीय टीम के खिलाड़ियों ने भी राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने और शहडोल संभाग का नाम गौरवान्वित करने का संकल्प लिया।

### ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल में लगेगा 'साई-लैंड' एग्जीबिशन

**शहडोल।** ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल, शहडोल में 14 नवंबर (शुक्रवार) को कला और विज्ञान का संगम देखने को मिलेगा। विद्यालय परिसर में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होने वाले आर्ट एंड साइंस एग्जीबिशन 'साई-लैंड' में छात्र-छात्राएं अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार की भावना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। यहां विद्यार्थी सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, कचरा पुनर्चक्रण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मॉडल प्रस्तुत करेंगे। ग्रीन टेक्नोलॉजी पर आधारित ये प्रोजेक्ट आने वाले कल की टिकाऊ सोच को प्रदर्शित करेंगे। कला विभाग के विद्यार्थी पोस्टर, पेंटिंग और हैंडक्राफ्ट के माध्यम से अपने विचारों को साकार रूप देंगे। इस मौके पर स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल और मनोरंजक खेलों की भी व्यवस्था की गई है, जिससे आयोजन आकर्षक और शिक्षाप्रद दोनों बनेगा। विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि 'साई-लैंड' विद्यार्थियों के लिए अपनी वैज्ञानिक जिज्ञासा और रचनात्मक क्षमता को निखारने का मंच बनेगा। साथ ही यह आयोजन समाज को पर्यावरण संरक्षण और हरित तकनीक के प्रति जागरूक करने का संदेश देगा।

### अधूरे निर्माण, गायब बजट और मौन प्रशासन!

# सामुदायिक शौचालय और बाउंड्रीवाल में लाखों की धांधली

शहडोल।

जिले की जयसिंहनगर जनपद की ग्राम पंचायत सरवारी भ्रष्टाचार की पाठशाला बन चुकी है। यहां सरपंच और सचिव ने सरकारी योजनाओं को अपनी निजी जागीर बना डाला है। जनता की सुविधा के नाम पर शासन से आने वाला पैसा कागजों में तो उड़ता है, लेकिन जमीन पर काम अधूरा, घटिया और लापरवाह तरीके से किया जाता है। स्थिति यह है कि पंचायत का हर दूसरा निर्माण कार्य या तो अधूरा पड़ा है या शुरू होते ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। इन दिनों सामुदायिक शौचालय और उसके सामने बनी बाउंड्रीवाल इस बात के ताजा उदाहरण बन चुके हैं। लाखों रुपये के सरकारी बजट के बावजूद न तो शौचालय पूरा हुआ और न ही उसका कोई उपयोग हो पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि भ्रष्टाचार यहां व्यवस्था नहीं, बल्कि परंपरा बन चुका है।

#### सामुदायिक शौचालय बना शर्म का प्रतीक

सरकारी रिकॉर्ड में सरवारी पंचायत का सामुदायिक शौचालय पूरा दिखाया गया है, लेकिन हकीकत में यह केवल ईंटों का अधूरा ढेर है। निर्माण एजेंसी खुद ग्राम पंचायत थी, लेकिन काम इस तरह किया गया कि गुणवत्ता का नामोनिशान नहीं बचा। शौचालय की टंकी अधूरी पड़ी है, पाइपें टूटी हुई हैं, नल उखड़े पड़े हैं और दीवारों पर सीलन झर रही है। सबसे बड़ी विडंबना यह कि शौचालय के लिए पानी की टंकी तो बना दी गई, मगर बोरिंग का कनेक्शन कभी किया ही नहीं गया। नतीजा— भवन खड़ा है, लेकिन इस्तेमाल के लायक नहीं। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण अब धीरे-धीरे जर्जर हो रहा है। लाखों रुपये खर्च हो गए लेकिन सुविधा आज तक किसी को नहीं मिली। एक ग्रामीण ने व्यंग्य में कहा कि हमारे यहां शौचालय नहीं, भ्रष्टाचारालय बना है। जहां सिर्फ फाइलें चलती हैं और ईंटें टूटती हैं।

#### बाउंड्रीवाल में गेट गायब, पारदर्शिता भी!

सामुदायिक शौचालय के सामने बनाई गई बाउंड्रीवाल का हाल भी किसी मजाक से कम नहीं है। यह दीवार इतनी संपूर्ण बनाई गई है कि उसमें आने-जाने के लिए गेट तक की जगह नहीं छोड़ी गई, यानी अब अगर अंदर जाना हो तो या तो दीवार तोड़ो, या दीवार फांदो, बताया जा रहा है कि इस निर्माण में भी घटिया मटेरियल का खुला उपयोग किया गया। ग्रामीणों के अनुसार यह काम पंचायत के किसी ठेकेदार को नहीं, बल्कि ऑफ द रिकॉर्ड कमलेश नामक व्यक्ति को दे दिया गया था, जो बिना किसी अधिकृत आदेश के काम कर गया। दीवार पर एक सूचना पटल जरूर लगाया गया है, लेकिन उसमें न तो कार्य की लागत का जिक्र है, न ही काम शुरू या खत्म होने की तारीख दर्ज है। यह स्पष्ट संकेत है कि जानबूझकर पारदर्शिता से बचा गया ताकि गड़बडिय़ों पर पर्दा डाला जा सके।

#### प्रशासन की आंखों पर भ्रष्टाचार का पट्टा

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी अब तक मौन हैं। ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन किसी ने मौके पर जाकर जांच करना जरूरी नहीं समझा। अधिकारी फाइलों में जांच जारी है लिखकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच और सचिव की जोड़ी अविनाशी गठबंधन बन चुकी है, जो अपने मनमाफिक काम कर रही है। किसी भी परियोजना का खर्च बढ़ाना, घटिया निर्माण कराना और बाद में झूठे बिल लगाकर भुगतान निकालना, यही इनकी कार्यशैली है।

#### लाखों का घोटाला, जवाबदेह नहीं

सवाल यह है कि जब सरकारी धन जनता की सुविधा के लिए आता है, तो उसका हिसाब कौन देगा? पंचायतों के नाम पर हर साल लाखों रुपये का बजट जारी किया जाता है, मगर सरवारी जैसी पंचायतें उस धन को गायब करने की प्रयोगशाला बना चुकी हैं। जानकारों का कहना है कि अगर इस पंचायत के सभी निर्माण कार्यों की जांच की जाए तो कई गंभीर अनियमितताएं और घोटाले उजागर होंगे। बाउंड्रीवाल, सीसी रोड, शौचालय, पेयजल टंकी हर जगह भ्रष्टाचार की एक नई कहानी मिलेगी। गांव के निवासियों ने अब प्रशासन से सीधी मांग की है कि सरवारी पंचायत में तत्काल जांच कराई जाए और दोषी सरपंच-सचिव पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए।

#### प्रशासन कब दिखाएगा सख्ती?

पंचायतों में जारी इस भ्रष्टाचार संस्कृति ने ग्रामीण विकास की रीढ़ तोड़ दी है। जब तक ऐसे मामलों में कठोर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी, तब तक न तो भ्रष्टाचार रुकेगा, न ग्रामीणों को उनका हक मिलेगा। सरकारी योजनाओं की आड़ में हो रही यह खुली लूट अब जनता की सहनशक्ति से बाहर हो चुकी है। सवाल सिर्फ एक है कि क्या सरवारी पंचायत के इन गुनहगारों को कभी सजा मिलेगी, या फिर शासन-प्रशासन का मौन समर्थन उनके भ्रष्टाचार को और मजबूत करेगा? अगर अब भी जिला प्रशासन ने कदम नहीं उठाया, तो सरवारी का भ्रष्टाचार आने वाले समय में पूरे जिले का कलंक बन जाएगा।

## ग्राम पंचायतों में गड़बड़ियों पर जिला पंचायत के मुखिया के सख्त निर्देश

शहडोल।

जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति ने एक बार फिर अपने सख्त प्रशासनिक रुख का परिचय दिया है। ग्राम पंचायत स्तर पर शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन में व्यय भुगतान को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित शिकायतों के बाद, उन्होंने तत्काल प्रभाव से एक संशोधित आदेश जारी किया है। इस आदेश के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया है कि शासन के धन का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पूर्व में जारी आदेश क्रमांक 3206 दिनांक 04 नवम्बर 2025 में संशोधन करते हुए कहा गया है कि मनरेगा, 15वां वित्त, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के देयकों पर यह आदेश लागू नहीं होगा, क्योंकि इनके भुगतान पहले से ही तकनीकी मूल्यांकन एवं जनपद स्तरीय सत्यापन के बाद किए जाते हैं। हालांकि, ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों और आयोजनों के देयकों पर यह आदेश प्रभावी रहेगा, जिनका भुगतान सीधे ग्राम पंचायत से किया जाता है।

शिवम प्रजापति ने यह भी निर्देशित किया है कि पंचायत समन्वय अधिकारी और सहायक विकास विस्तार अधिकारी अपने-अपने सेक्टर की ग्राम पंचायतों के 100 प्रतिशत देयकों का परीक्षण करें, जबकि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 5 प्रतिशत देयकों का सत्यापन करेंगे। श्री प्रजापति के इस सख्त कदम से पंचायतों में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस संदेश गया है। यह आदेश न केवल अनियमितताओं पर अंकुश लगाएगा, बल्कि सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता भी मजबूत करेगा। शहडोल जिला प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने इसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध निर्णायक पहल बताया है।

### विद्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

**शहडोल।** मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश काशीनाथ सिंह के मार्गदर्शन में न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत गत दिवस कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल सोहागपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते ने बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह अधिनियम, बाल श्रम कानून, बाल संवर्धन एवं संरक्षण, मौलिक अधिकार, गुड टच बेड टच एवं सालसा एवं नालसा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती एनी एंथोनी ने बालिकाओं को दी गई जानकारी को अमल में लाने की बात कही। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्राए उपस्थित रहीं।

### धरी नंबर दो में दर्दनाक सड़क हादसा

## ट्रक से टकराई बाइक, दो युवकों की मौके पर मौत

**शहडोल।** जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र के धरी नंबर दो गांव में रविवार रात एक भीषण सडक़ हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जनकपुर से लौट रहे दोनों युवक जिस बाइक पर सवार थे, वह सडक़ किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने कुछ घंटों के भीतर ट्रक को बरामद कर लिया।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान महेश साकेत उम्र 25 वर्ष पिता विश्वनाथ साकेत और राजकुमार कोल उम्र 50 वर्ष पिता चंदू कोल, दोनों निवासी धरी नंबर के रूप में हुई है। बताया गया कि देर रात जब ये दोनों बाइक से घर लौट रहे थे, तभी धरी नंबर दो के पास खड़े ट्रक से टकरा गए। राहगीरों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। देवलौंद थाना प्रभारी सुभाष दुबे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटनास्थल से मिले टायरों के निशानों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ट्रक की तलाश शुरू की। कुछ ही समय में एमपी 17 एचएच 3501 नंबर का ट्रक गांव के एक सुनसान स्थान से बरामद कर लिया गया। पूछताछ में ट्रक चालक ने बताया कि वह सडक़ किनारे वाहन खड़ा कर अपने साथी का इंतजार कर रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद वह घबरा गया और ट्रक को छुपा दिया।

#### इनका कहना है...

मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लिया गया है। जांच में स्पष्ट होगा कि हादसा लापरवाही से हुआ या नियम विरुद्ध तरीके से ट्रक खड़ा करने के कारण हुआ।

**सुभाष दुबे**
**थाना प्रभारी**
**देवलोंद**

## खेत खलिहानों में पहुंचकर बीएलओ कर गणना पत्रक का वितरण

शहडोल।

जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान 2026 चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाताओ को प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना पत्रक) उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान 2026 के अंतर्गत संबंधित क्षेत्र के बीएलओ डोर-टू-डोर एवं खेत खलिहानों पहुंचकर गणना पत्रक का वितरण कर रहे है। शहडोल जिले के ग्राम खोल्हाड, कंचनपुर, लालपुर सहित अन्य ग्रामों में संबंधित बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक का वितरण किया गया। मतदाताओ से अपील की गई है कि मतदाता इस गणना पत्र को गंभीरता एवं गहनता के साथ भरे तथा घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए यथाशीघ्र संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं।

### बीएलओ सुपरवाइजर को कार्यालयीन कार्य से रखे मुक्तः कलेक्टर

**शहडोल।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने विधानसभा एवं लोकसभा निर्वाचन से जुड़ी तैयारियों को गंभीरता से लेते हुए जिले के सभी विभाग प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार घर-घर संपर्क एवं मतदाता मैपिंग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए नियुक्त बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और उनके सुपरवाइजर को निर्धारित समय-सीमा में मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर आवश्यक जानकारी एकत्रित करनी है। इस दौरान सुपरवाइजरों को क्षेत्रीय निरीक्षण और बीएलओ के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करनी होगी।
डॉ. सिंह ने विभाग प्रमुखों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन कार्य की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए जिन कर्मचारियों को बीएलओ सुपरवाइजर का दायित्व सौंपा गया है, उन्हें निर्धारित अवधि में कार्यालयीन कार्यों से मुक्त रखा जाए, ताकि वे निर्वाचन संबंधी कार्यों को समय पर और प्रभावी ढंग से पूर्ण कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और इस संबंध में जिम्मेदारी तय की जाएगी।

## सरकारी कर्मचारी के घर में लाखों की चोरी

**शहडोल।** जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में एक बार फिर पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। वार्ड क्रमांक 3/4 स्थित राम जानकी मंदिर के पास एक सरकारी कर्मचारी सिद्धगणेश शुक्ला के घर अज्ञात चोरों ने लाखों की चोरी को अंजाम दे डाला।

जानकारी के अनुसार, सिद्धगणेश शुक्ला (सिंचाई विभाग) बीती रात रोज की तरह ड्यूटी से लौटकर घर आए और दूध बांटने के लिए निकले थे। इस दौरान घर में उनकी पत्नी भारती शुक्ला अकेली थीं। रात करीब 11 बजे जब वे लौटे, तो अलमारी टूटी हुई और नकदी व सोने-चांदी के गहने गायब मिले। चोरी गए सामान में दो सोने की चेन, दो हार, तीन अंगूठियां, तीन मंगलसूत्र, ओम लॉकेट, सोने की बेदी, चांदी के पायल और बर्तन सहित लगभग तीन लाख रुपये का माल बताया गया है। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और फिंगरप्रिंट व सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। हालांकि इलाके में लगातार हो रही चोरी की वारदातों ने पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह है कि पुलिस इस चोरी का खुलासा कब तक कर पाती है, या फिर यह मामला भी पुराने मामलों की तरह फाइलों में दब जाएगा।

### दिल्ली ब्लास्ट के बाद शहडोल में अलर्ट

## बाहर से आकर ठहरने वाले व्यक्तियों की सूचना थाना में आवश्यकः कलेक्टर

#### संदिग्धों पर सख्त निगरानी के निर्देश, होटल व धर्मशालाओं की होगी सतत जांच

**शहडोल।** राजधानी दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट की गंभीरता को देखते हुए शहडोल जिला प्रशासन सतर्क मोड पर आ गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. केदार सिंह ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी अप्रत्याशित घटना की रोकथाम के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, जिले में होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा या किराये के मकानों में बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की जानकारी अब संबंधित थाने में अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाएगी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने स्पष्ट कहा है कि यह आदेश केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक एहतियात है। सभी होटल, धर्मशाला, लॉज और रैन बसेरा संचालक अपने यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान पत्र की प्रति और मोबाइल नंबर प्राप्त कर उसका सत्यापन कराएंगे। किसी भी बाहरी व्यक्ति को ठहराने से पूर्व उसकी जानकारी स्थानीय थाना प्रभारी को देना अनिवार्य होगा।

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिले के सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित आवासीय व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की विस्तृत सूची तैयार करेंगे और नियमित रूप से उनका निरीक्षण करेंगे। यदि किसी होटल या लॉज में बिना सूचना के बाहरी व्यक्ति ठहरता हुआ पाया गया, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमें निरंतर जांच करेंगी। सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) को निर्देश दिए गए हैं कि वे पुलिस के साथ मिलकर होटल, धर्मशाला, लॉज, रैन बसेरा, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाएं। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक या आतंकवादी गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।आदेश में यह भी कहा गया है कि आम नागरिक भी सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें लेकिन चौकन्ने रहें, क्योंकि सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। सूत्रों के अनुसार, जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही कुछ प्रमुख स्थानों जैसे होटल, धर्मशाला, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और व्यापारिक कॉम्प्लेक्स में निगरानी बढ़ा दी है। सीसीटीवी फुटेज की नियमित जांच की जा रही है और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है।कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने साफ चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल, लॉज या रैन बसेरा संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और समय पर सूचना देना अब हर नागरिक का दायित्व है। दिल्ली विस्फोट के बाद प्रशासन की यह सख्ती जिले में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संकेत है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या होटल और लॉज संचालक इस आदेश को गंभीरता से पालन करेंगे? आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह निर्देश केवल कागजों में सीमित रहेंगे या वास्तव में जिले की सुरक्षा में नई परत जोड़ेंगे।

## संवेदना, संस्कार और कुटुंब भाव से ही बनेगा सशक्त भारतः कुलगुरु

### विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर जिला युवा उत्सव का भव्य शुभारंभ

**शहडोल।** पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर आज युवाओं के जोश, उत्साह और रचनात्मकता से गूंज उठा, जब तीन दिवसीय अंतर जिला युवा उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन 12 से 14 नवम्बर तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अध्यक्षता करते हुए कहा संवेदना, संस्कार और कुटुंब भाव—ये तीन तत्व किसी भी सशक्त भारत की नींव हैं। जब युवा संवेदनशील होंगे, संस्कारित होंगे और सामूहिक सोच विकसित करेंगे, तभी राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।
कुलगुरु ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल रोजगार का साधन न मानें, बल्कि समाज सेवा और चरित्र निर्माण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही देश की धडक़न है, और अगर यह पीढ़ी सही दिशा में आगे बढ़े तो कोई शक्ति भारत को विश्वगुरु बनने से नहीं रोक सकती।
विशिष्ट अतिथि गगन अवस्थी, (संस्थापक सदस्य, कौटिल्य एकेडमी इंदौर एवं अंतरराष्ट्रीय मोटिवेटर) ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा भारत के युवाओं में असीम ऊर्जा है, जरूरत है उसे सही दिशा और लक्ष्य देने की। ऐसे उत्सव आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना को मजबूत करते हैं।
कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद पांडेय, एवं परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संयोजक प्रो. मनीषा तिवारी ने उत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि डॉ. गंगाधर ढोके ने कार्यक्रम का संचालन किया।
पहले दिन हुई प्रतियोगिताओं में रंगोली, क्ले मॉडलिंग, स्पॉट पेंटिंग, कोलाज, पोस्टर मेकिंग, एकांकी, मिमिक्री, मूकाभिनय एवं स्किट जैसी विधाओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाया। निर्णायक मंडल में डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. वंदना राम, डॉ. मुनीश सिंह नेगी, डॉ. दिलीप तिवारी, डॉ. लोकेश साहू, ऋषिराज पुरवार, डॉ. ऋत्विक मिश्रा और कु. मंजुला तिवारी शामिल रहे।
पूरा परिसर युवा ऊर्जा और रचनात्मकता से सराबोर दिखा। कार्यक्रम का समापन तालियों की गूंज के बीच हुआ, जबकि आने वाले दो दिनों में संगीत, नृत्य और नाट्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवा अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन न केवल प्रतियोगिता का मंच बना, बल्कि इसने यह भी साबित किया कि जब युवा संस्कार, संवेदना और सृजनशीलता को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं, तो राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

## राजस्व प्रकरणों के ऑनलाइन निराकरण हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

#### आरसीएमएस पोर्टल पर दी गई विस्तृत जानकारी

**शहडोल।** राजस्व प्रकरणों के त्वरित और पारदर्शी निराकरण को लेकर शासन ने अब तकनीकी माध्यमों पर जोर देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कमिश्नर के निर्देशानुसार शहडोल संभाग में *राजस्व प्रकरणों का आरसीएमएस के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह की उपस्थिति में जिले के विभिन्न राजस्व न्यायालयों में कार्यरत रीडर एवं ऑपरेटरों को ऑनलाइन प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान संभागीय सलाहकार उपेंद्र त्रिपाठी ने आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से राजस्व प्रकरणों के पंजीयन से लेकर अंतिम आदेश तक की पूरी प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने वेब जीआईएस, सारा पोर्टल, साइबर तहसील 1.0 एवं 2.0 की कार्यप्रणाली समझाई और बताया कि किस तरह पटवारी की रिपोर्ट आने के बाद प्रकरणों का ऑनलाइन निराकरण किया जाए। श्री त्रिपाठी ने विशेष रूप से उन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला, जब किसी भूमि आवंटन या सीमांकन प्रकरण में आपत्ति प्राप्त होती है और न्यायालय को ऑनलाइन समाधान करना होता है। उन्होंने बताया कि आरसीएमएस पोर्टल पर *डायवर्शन, बंटवारा, सीमांकन, आर्थिक सहायता जैसे सभी प्रकरणों की मॉनिटरिंग अब डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिससे अनावश्यक विलंब पर रोक लगेगी। प्रशिक्षण में सोहागपुर, जैतपुर, जयसिंहनगर, ब्यौहारी और बुढ़ार तहसीलों के रीडर और ऑपरेटर उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को अपने कार्य में लागू करते हुए राजस्व न्यायालयों के सभी प्रकरणों का शीघ्र, पारदर्शी और ऑनलाइन निराकरण सुनिश्चित करें।

## खबर संक्षेप

### स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** बुधवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे गर्भवती महिलाए, किशोरी बालिकाओं का परीक्षण कर उपचार वा परामर्श दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, जनसमुदाय को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकरी देना, वा समस्या होने पर मनकक्ष ओपीडी में उपचार, टेलीमानस के माध्यम से परामर्श ले सकते है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ संगीता प्रजापति, निश्चय चतुर्वेदी डीपीएम मति प्रभा सिंह राठौर नर्सिंग ऑफीसर एवम आरकेएस परामर्श दाता की सहभागिता रही।

### जिले की लाड़ली बहनो के खाते में 16 करोड़ से अधिक की राशि हुई अंतरित

**उमरिया।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रदेश की बहनों से किए हुए वादे को पूरा करते हुए इस माह उनके खाते में 1500 रूपये की बढ़ी हुई राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 30वीं किस्त के रूप में कुल 1857 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि जिले की एक लाख 9 हजार 104 लाड़ली बहनों के खाते में 16 करोड़ रूपये से अधिक की राशि अंतरित हुई । राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी उमरिया मे देखा एवं सुना गया । इस अवसर पर लाड़ली बहनें उपस्थित रही ।

### पीएससी में रोज ओपीडी में नहीं मिलते डॉक्टर

**सिलौड़ी।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर प्रदीप कुमार की नियुक्ति की गई है परंतु प्रतिदिन ओपीडी समय में डॉक्टर नही मिलने से मरीजों को इलाज हेतु भटकना पड़ रहा है। सिलौंडी से कटनी मुख्यलय की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। गंभीर बीमारी में इतनी दूरी तय कर इलाज करने में मरीजों को अधिक परेशानी हो जाती है यदि गंभीर बीमारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ही डॉक्टर के माध्यम से प्राथमिक उपचार मिल जाए तो रास्ते तय करने में मरीज को कुछ दर्द में राहत मिल सकती है। डॉक्टर प्रदीप कुमार को अधिकांश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पान उमरिया में ही ड्यूटी करते रहते है। ग्रामीणों ने बताया जब सिलौंडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उनकी नियुक्ति है तो डॉक्टर को सिलौंडी प्रथिमक स्वास्थ्य केंद्र में ही प्रतिदिन ड्यूटी करना चाहिए जिससे सिलौंडी ग्राम के आस पास के लगभग 56 गांव के लोगो को इलाज करने में आसानी होगी और उनको बीमारी में सही समय पर इलाज मिलने पर वह स्वास्थ्य भी रहेंगे।

### हर विवाह का होगा पंजीयन, निर्देश जारी

**कटनी।** देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिये निर्देश जारी किये गये हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा, जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

## जिंदा महिला को मृत बताकर छीने अधिकार

# पंचायत की गलती: एक मां की जिंदगी बर्बाद

### ग्राम पंचायत गोयरा में सरकारी सिस्टम की शर्मनाक लापरवाही उजागर

**उमरिया।** जिले की जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोयरा में प्रशासनिक लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है जिसने सरकारी सिस्टम की संवेदनहीनता की पोल खोल दी है। यहां एक जीवित महिला को दस्तावेज़ों में 'मृत' दर्ज कर दिया गया और इस एक गलती ने उसकी पूरी जिंदगी अस्त-व्यस्त कर दी। दो साल के मासूम बच्चे को गोद में लिए यह महिला अब महीनों से पंचायत और जनपद कार्यालयों के चक्कर काट रही है, लेकिन सिस्टम की बेपरवाही के आगे उसकी गुहार बेअसर साबित हो रही है। मामला नीता बाई पत्नी स्वर्गीय सतेंद्र सिंह का है, जो गोयरा गांव की निवासी हैं। उनके पति सतेंद्र सिंह का निधन कुछ महीने पहले हुआ था। नियमानुसार पंचायत ने पति का नाम समग्र पोर्टल से हटाने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन इस दौरान अधिकारियों की लापरवाही या तकनीकी भूल के कारण नीता बाई का नाम भी 'मृत' के रूप में दर्ज कर दिया गया। इसके बाद से वे सरकारी रिकॉर्ड में जिंदा होकर भी 'मर चुकी महिला' मानी जा रही हैं। नीता बाई की समग्र आईडी संख्या 180949097 अब भी मौजूद है, जिससे यह स्पष्ट है कि वे जीवित हैं, फिर भी उन्हें सिस्टम ने मौत का प्रमाणपत्र दे दिया। इस गंभीर त्रुटि के बाद से उनके लिए सरकारी योजनाओं के सारे रास्ते बंद हो गए हैं। अब न उन्हें राशन मिल पा रहा है, न पेंशन, न ही किसी कल्याणकारी योजना का लाभ। एक मामूली तकनीकी गलती ने उनके जीवन को त्रासदी में बदल दिया है। बच्चे को गोद में उठाए थकी और निराश नीता बाई जब जनपद पंचायत के गलियारों में न्याय की उम्मीद लेकर खड़ी होती हैं, तो देखने वालों के मन में यही सवाल उठता है, क्या यही है वह 'संवेदनशील प्रशासन' जिसकी दुहाई हर मंच से दी जाती है?

#### जिंदा होने के लिए जद्दोजहद

नीता बाई का कहना है कि उन्होंने कई बार पंचायत सचिव और रोजगार सहायक से निवेदन किया कि उनका नाम समग्र पोर्टल पर पुनः जोड़ा जाए, लेकिन हर बार उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि सिस्टम में सुधार जल्द हो जाएगा। महीनों बीत गए, लेकिन सुधार आज तक नहीं हुआ। उन्होंने इस संबंध में जनपद पंचायत पाली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी लिखित आवेदन दिया है, जिसमें न केवल नाम पुनः जोड़े जाने की मांग की गई है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की गई है। गांव के लोगों का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। कई गरीब परिवार भी ऐसी तकनीकी गड़बड़ियों का शिकार बने हैं। पंचायत स्तर पर बिना जांच-पड़ताल के लोगों के नाम हटाए या जोड़े जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। स्थानीय लोगों का



कहना है कि जनपद और जिला प्रशासन को इन मामलों की जांच कर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन अब तक किसी अधिकारी ने इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई।

#### तकनीकी खामी या सिस्टम की सुस्ती?

जानकारों का कहना है कि समग्र पोर्टल से जुड़े डेटा का अपडेट अक्सर ग्राम पंचायतों के कर्मचारियों पर छोड़ दिया जाता है, जो कई बार प्रशिक्षण या तकनीकी समझ के अभाव में गलत प्रविष्टियां कर देते हैं। एक क्लिक की गलती किसी परिवार को सरकारी लाभों से वंचित कर सकती है और यही हुआ नीता बाई के साथ। सवाल यह है कि क्या ऐसे मामलों में किसी प्रकार की दो-स्तरीय जांच नहीं होती? यदि एक महिला का नाम 'मृत' श्रेणी में दर्ज हो सकता है जबकि वह प्रत्यक्ष रूप से जीवित है, तो यह प्रशासनिक प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

#### गरीबों के लिए 'डिजिटल इंडिया' बना डिजिटल अन्याय

सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए योजनाओं को पारदर्शी और तेज़ बनाने का दावा करती है, लेकिन ज़मीनी हकीकत में यह पारदर्शिता अक्सर गरीबों के लिए अभिशाप बन जाती है। तकनीकी गड़बड़ियों को सुधारने में हफ्तों या महीनों लग जाते हैं, जबकि लाभार्थियों की रोज़मर्रा की ज़रूरतें एक दिन भी नहीं रुकतीं। नीता बाई जैसी महिलाएं जो पहले से ही आर्थिक और सामाजिक संकट में हैं, उन्हें ऐसे हालात में सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

#### ग्रामीणों का आक्रोश, प्रशासन मौन

ग्राम पंचायत गोयरा के ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सचिव और संबंधित कर्मचारियों की लापरवाही से यह स्थिति बनी है। कई बार ग्रामसभा में इस विषय को उठाया गया, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे सामूहिक रूप से जनपद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करेंगे। नीता बाई अब भी उम्मीद लगाए बैठी हैं कि शायद किसी दिन कोई अधिकारी उनकी बात सुनेगा और उन्हें 'जिंदा' मानते हुए उनके अधिकार लौटाएगा, लेकिन सवाल यह है कि जब सिस्टम की गलती से कोई गरीब इंसान मर भी जाए और जिंदा होकर भी मरा हुआ घोषित कर दिया जाए ,तो उस सिस्टम की जवाबदेही कौन तय करेगा? यह घटना न केवल प्रशासनिक तंत्र की नाकामी का प्रतीक है, बल्कि यह भी दिखाती है कि गांवों में डेटा प्रबंधन और नागरिक अधिकारों की निगरानी व्यवस्था कितनी लचर है। जब तक ऐसे मामलों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक 'जीवितों को मृत' और 'मृतकों को जीवित' दिखाने की यह सरकारी गलती बार-बार मानवता को शर्मसार करती रहेगी।

#### इनका कहना है...

एक वर्ष पूर्व नाम कटा था, इस बीच इन्होंने नाम क्यों नहीं जुड़वाया, यह तो फरियादी जाने।

**विकास शिवहरे**
**सचिव**
**ग्राम पंचायत गोयरा**

जानकारी संज्ञान में आई है, हमने पंचायत से सभी दस्तावेज मंगाये हैं, कल ही इस मामले में कुछ पाऊंगा।

**कुंवर कन्हाई**
**मुख्य कार्यपालन अधिकारी**
**जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली**

## मैपिंग ईएफ फार्म शत प्रतिशत वितरण करने के दिए निर्देश

### ईको सेंटर ताला बांधवगढ में बैठक संपन्न

**उमरिया।** भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की समीक्षा हेतु भारत निर्वाचन आयोग से अधिकृत सचिव अश्वनी कुमार मोहल एवं अवर सचिव कनिष्क कुमार की उपस्थिति में ईको सेंटर ताला मे समीक्षा बैठक संपन्न हुई । बैठक में उन्होने 90 मानपुर के बीएलओ से रूबरू चर्चा की । इस दौरान उन्होने मतदान केंद्र क्रमांक 1,2,12,125,130 एवं 140 के बीएलओ के कार्य की समीक्षा की। उन्होने मैपिंग ईएफ फार्म शत प्रतिशत वितरण करने के निर्देश दिए। जिन बीएलओ के मैपिंग का कार्य कम पाया गया,उन्हे तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गणना पत्रक की समीक्षा करते हुए 89 बांधवगढ़ एवं 90 मानपुर के ईआरओ को निर्देश दिए कि बीएलओ सुपरवाईजर के माध्यम से दिन मे दो बार समीक्षा करके दो दिवस के अंदर ई एफ फार्म का वितरण करना सुनिश्चित करें।वितरण पश्चात प्रत्येक बीएलओ से बीएलओ एप् व्दारा ई एफ फार्म कलेक्शन एवं ऑनलाइन फीडिंग त्रुटिरहित सुनिश्चित करें। बीएलओ एप मे आने वाली तकनीकी समस्याओं से सीईओ मध्यप्रदेश को अवगत कराए। बैठक में कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन,कलेक्टर शहडोल डा केदार सिंह,उप जिला निर्वाचन अधिकारी शहडोल अमृता गर्ग,उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमरिया रीता डेहरिया, ईआरओ 89 बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,ईआरओ 90 मानपुर हरनीत कौर कलसी,भागीरथी लहरे,दीपक मंडावी,पंकज नयन तिवारी, निर्वाचन पर्यवेक्षक उमरिया हरिशंकर झारिया , निर्वाचन पर्यवेक्षक शहडोल संजय खरे उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत आउटरीच एक्टिविटी संपन्न

**उमरिया।** शासकीय महाविद्यालय, नौरोजाबाद में विकासखण्ड करकेली अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय नौरोज़ाबाद में परामर्शदाता के प्लान अनुसार आउटरीच में औपचारिक निरीक्षण किया गया, जिसमें परामर्शदाता उपस्थित पाए गए है। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत आउटरीच एक्टिविटी आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान आरकेएसके के 6 बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा नशा मुक्ति अभियान के तहत सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया गया। आरकेएसके के जिला नोडल अधिकारी डॉ.एस.बी.चौधरी ने किशोरावस्था में मादक पदार्थों के उपयोग करने से उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास में किस प्रकार की विकृतियां जन्म ले रही है इस विषय में विस्तार से समझाया तथा भिन्न प्रकार के नशो से विरक्त रहने के लिए विस्तृत जानकारी दी गई है तथा अपने व्यक्तिगत नशे से सम्बंधित मादक पदार्थों का हेल्पलाइन नंबर 14446 तम्बाकू टोल फ्री नंबर 1800112356 एवं टेलीमानस टोल फ्री नंबर 14416 और मनहित



डाउनलोड कारवाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता बढ़ाना तथा नशामुक्त समाज की दिशा में संकल्प दिलाया गया। आरकेएसके जिला नोडल अधिकारी, परियोजना समन्वयक मुनीम साहू, परामर्शदाता पवन कुमार महरा, कॉलेज के समस्त शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

## सेंट जोसेफ स्कूल में आयोजित हुआ मुस्कान विशेष अभियान

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के द्वारा बुधवार की सुबह सेंट जोसेफ हायर सेकेण्डरी स्कूल छात्राओं व स्कूल स्टाफ के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित मुस्कान विशेष अभियान में उपस्थित करीब 250 छात्राओं को उनकी सुरक्षा हेतु उदबोधन एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि म.प्र. शासन गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा बालिकाओं से संबंधित अपराधों को लेकर जागरूकता के लिए मुस्कान विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आयोजन में थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने छात्राओं को बालिकाओं के सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों एवं विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों की जानकारी देते हुए छात्राओं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु कानूनी प्रावधान, पाक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता के बालिकाओं की सुरक्षा को डायल 112 सर्विस, नेशनल चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर 1098, महिला हेल्प लाइन नम्बर 1091. सायबर अपराध हेतु नेशनल हेल्पलाईन नम्बर 1930 की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होने छात्राओं को बताया गया कि आज के वर्तमान दौर में मोबाईल एवं इंटरनेट का सभी को उपयोग करना होता है जिसके चलते अनेको लोग सायबर अपराध के शिकार हो रहे है जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म इन्स्टाग्राम,



फेसबुक आदि पर फर्जी आई.डी. बनाकर अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लेकमेल करना, इंटरनेट बैकिंग से संबंधित ओ.टी.पी. मांगा जाकर फ्राड करना, ए.टी.एम. क्लोनिंग, लाटरी का लालच देकर फ्राड करना, नौकरी का लालच देकर आनलाईन फ्राड करना, डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ब्लेकमेल करने जैसे अपराध घटित हो रहे है। उक्त सायबर अपराधों से बचने के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा स्वयं की सजगता है। छात्राओं को बताया गया कि सोशल मीडिया जैसे इन्स्टाग्राम, फेसबुक आदि पर व्यक्ति सूचनाये मोबाईल नम्बर, जन्मतिथि, फेमली डीटेल आदि शेयर न करें। फेसबुक एकाऊण्ट में ज्व थ्बजवत। नजींदजपबंजपवद एक्टिवेट रखे। सोशल मीडिया में प्रायवेसी हेतु सभी सेटिंग को लागू करें, अनजान मोबाईल नम्बरों से बातचीत एवं फ्रेण्ड रिकवेस्ट से बचें। किसी भी लालच में आकर ओ.टी.पी. शेयर न करें। किसी भी प्रकार के घटना होने पर तत्काल अपने माता, पिता एवं शिक्षकों को जानकारी देकर नजदीकी पुलिस थाने अथवा सायबर सेल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत अवश्य दर्ज कराये। कार्यक्रम मे महिला पुलिस कर्मी एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहे।

## महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण



**हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी**

बदलाव का नेतृत्व, स्थानीय सुशासन और उससे परे महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आगाज जनपद पंचायत कटनी से प्रारंभ हुआ। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर मंगलवार को द्वारका भवन कटनी में 11 नवंबर से 13 नवंबर 2025 तक, निर्वाचित महिला सरपंच, उप सरपंच एवं पंच पदाधिकारियों को नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आवश्यक जानकारी दी जाकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंकज नामदेव, श्रीमती जया कोष्टी एवं बबीता सिंह एवं प्रशिक्षण लेने आई हुई निर्वाचित महिला प्रतिनिधि मौजूद रहीं।

#### इन तिथियों में यहां होंगे प्रशिक्षण

जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक जिले की तीन जनपद पंचायतों में, तीन चरणों में 11 से 13 नवंबर तक जनपद पंचायत कटनी, 17 से 19 नवंबर तक ढीमरखेड़ा एवं 20 से 22 नवंबर तक जनपद पंचायत बड़वारा में तीन- तीन दिवसीय, निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

#### ये है प्रशिक्षक

सुश्री कौर ने तीन चरणों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देने हेतु श्रीमती जया कोष्टी सहायक विकास खंड प्रबंधक एवं श्रीमती बबीता सिंह ब्लॉक समन्वयक को प्रशिक्षण देने हेतु मास्टर ट्रेनर के रुप में दायित्वों का निर्वहन करने हेतु अधिकृत किया है।

## सांस्कृतिक प्रतियोगिता में जमुना-कोतमा क्षेत्र विजेता तो कुसमुंडा उपविजेता

### अंतरक्षेत्रीय सांस्कृतिक मिलन का हुआ समापन

**हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना।** साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के जमुना-कोतमा क्षेत्र में अंतरक्षेत्रीय सांस्कृतिक मिलन 2025-26 का समापन उत्साह और उल्लास के बीच हुआ। यह दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 10 से 11 नवंबर तक बंकिम विहार स्थित मंच पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एवं समापन क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में लोकनृत्य, लोकगीत, कव्वाली, हास्य अभिनय, ओडिसी नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध किया। महाप्रबंधक त्रिपाठी ने कहा "एसईसीएल न केवल उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता के माध्यम से कार्यस्थल पर रचनात्मकता और सकारात्मकता का वातावरण भी निर्मित करता है। फाइनल प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपनी श्रेष्ठ कला का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (मानव संसाधन कल्याण) एसईसीएल बिलासपुर श्यामला राव उपस्थित रहीं। निर्णायक मंडल में अमनदीप सिंह छाबड़ा, गंगाचरण दुबे शामिल थे। विशिष्ट अतिथियों में अजय विश्वकर्मा, गोपाल नारायण सिंह, बजरंगी शाही, प्रीतम नाथ पाठक, कमलेश शर्मा, इंद्रदेव चौहान, आर.पी. खांडे, ए.आर. सीदार, ओ.पी. नवरंग एवं अनिरुद्ध कुमार चंद्र सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अलंकृता महिला समिति की सदस्याएँ, क्षेत्रीय जेसीसी, कल्याण, सुरक्षा समिति, सिस्टा, एससी एसटी, ओबीसी काउंसिल एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं संगीत प्रेमी नागरिक उपस्थित थे। समापन अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जमुना-कोतमा क्षेत्र ने प्रथम स्थान तथा कुसमुंडा क्षेत्र ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया। इस दौरान सेवानिवृत्त कलाकारों एवं अंतिम बार प्रतिनिधित्व कर रहे



प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, निर्णायकों और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## खबर संक्षेप

### गैस रिफिलिंग की समस्या से जूझ रहे उपभोक्ता, होम डिलीवरी बंद, गोदामों में अफरा-तफरी

**धनपुरी।** कोयलांचल क्षेत्र में एचपी गैस उपभोक्ता पिछले एक माह से घरेलू गैस की रिफिलिंग को लेकर परेशान हैं। पहले जहां गैस सिलेंडर घर-घर पहुंचाए जाते थे, वहीं अब उपभोक्ताओं को खुद गैस गोदामों और एचपी गैस कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। हालत यह है कि सुबह से ही उपभोक्ता गैस गोदाम के बाहर कतारों में खड़े नजर आते हैं, जैसे ही गैस की गाड़ी पहुंचती है, अफरा-तफरी मच जाती है। धक्का-मुक्की के बीच किसी को गैस सिलेंडर मिलता है, तो किसी को खाली हाथ लौटना पड़ता है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि "एक माह से घर में गैस नहीं है, खाना बनाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे पास गैस के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।" कई उपभोक्ताओं ने यह भी बताया कि गैस की किल्लत के चलते कुछ लोग पीछे के दरवाजे से अधिक दामों पर सिलेंडर लेने को मजबूर हैं।धनपुरी और आसपास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को गैस रिफिलिंग के लिए लगभग 3 किलोमीटर दूर गोदाम तक जाना पड़ता है। वहां भी कई घंटे इंतजार करने के बाद ही सिलेंडर मिल पाता है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि रोजमर्रा के कामकाज छोड़कर केवल गैस लेने के लिए पूरा दिन बर्बाद करना पड़ रहा है।जब इस संबंध में एचपी गैस कार्यालय बुढ़ार से जानकारी लेने की कोशिश की गई तो वहां का फोन रिसीव नहीं हुआ। उपभोक्ताओं का कहना है कि न तो कोई स्पष्ट जानकारी दी जा रही है, न ही होम डिलीवरी शुरू करने की कोई ठोस पहल की जा रही है। स्थानीय स्तर पर बताया जा रहा है कि सप्लाई में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते होम डिलीवरी की सुविधा ठप पड़ी है। पहले जहां गैस एजेंसी कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक घर तक सिलेंडर पहुंचाए जाते थे, अब उपभोक्ताओं को खुद गोदाम पहुंचकर सिलेंडर लेना पड़ रहा है। लगातार परेशानियों से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही होम डिलीवरी व्यवस्था बहाल नहीं की गई, तो वे गैस एजेंसी कार्यालय का घेराव करेंगे।। "हम एक माह से लगातार ऑफिस के चक्कर काट रहे हैं। गैस आती है, तो इतनी भीड़ लग जाती है कि महिलाओं और बुजुर्गों को लाइन में खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है। प्रशासन को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।" जनता की मांग है कि प्रशासन और गैस एजेंसी प्रबंधन तत्काल पहल करें ताकि घरेलू गैस की नियमित आपूर्ति व्यवस्था दोबारा शुरू हो सके।

## कृषि मेले से गूंजा आत्म गौरव का संदेश

# धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव रथ यात्रा

### बिरसा मुंडा के आदर्शों से युवाओं को जोडने और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का आह्वान

**उमरिया।** भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं गतिविधियों के क्रम में जनजातीय गौरव रथ यात्रा ने मंगलवार को उमरिया पहुंचकर क्षेत्र के ग्रामीणों में नई चेतना का संचार किया। यह रथ यात्रा न केवल बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष की गाथा सुनाती हुई आगे बढ़ रही है, बल्कि जनजातीय समाज को अपनी विरासत, अधिकारों और संस्कृति के प्रति गर्व का बोध भी करा रही है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी ने बताया कि रथ यात्रा का शुभारंभ 12 नवम्बर को भलवार से हुआ था। यह यात्रा ताला, अखडार, कौडिया, चांदपुर, दुब्बार, पाली, लोढा, भरौला होते हुए क्रीड़ा परिसर उमरिया पहुंची, जहां स्थानीय जनों ने पुष्पवर्षा कर और नृत्य-गान के माध्यम से रथ का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके आदर्शों और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका से लोगों को अवगत कराना है।

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज के नायक नहीं थे, बल्कि उन्होंने पूरे देश को स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने गरीब किसान परिवार से निकलकर अंग्रेजी शासन और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ उलगुलान नामक जनविद्रोह का नेतृत्व किया। उन्होंने बिरसाइत नामक धर्म की स्थापना की, जो एक ईश्वर में विश्वास, सामाजिक सुधार और नशामुक्ति का संदेश देता था। उन्होंने आदिवासियों को अपनी परंपराओं और संस्कृति के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

सहायक आयुक्त ने बताया कि जनजातीय गौरव रथ यात्रा का अगला चरण 13 नवम्बर को घंघरी से प्रारंभ होगा। यह यात्रा बड़ेरी, बरबसपुर, खैरा, धमोखर, परासी, ताला, गुरूवाही, पतौर, भड़ारी और सिगुड़ी होते हुए मानपुर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम में रथ का स्वागत पारंपरिक वाद्य यंत्रों और लोकनृत्य के साथ किया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण बन गया है।

### भगवान बिरसा मुंडा पखवाड़ा के तहत कृषि मेला आयोजित

जनजातीय गौरव सप्ताह के अवसर पर मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र उमरिया द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पठारी कला (विकासखंड करकेली) में भव्य कृषि मेले का आयोजन किया गया। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा और मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा वंदे मातरम्के सामूहिक गायन से हुई।कुलपति डॉ. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन हर किसान और युवक के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने समाज को आत्मनिर्भरता, संगठन और सम्मान की दिशा में अग्रसर किया। हमें उनके विचारों से सीख लेकर अपनी खेती, शिक्षा और जीवन में आत्मसम्मान और निष्ठा के मूल्य अपनाने चाहिए। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने किसानों से आग्रह किया कि वे उन्नतशील बीजों और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं तथा मिट्टी के स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण कर उसे संतुलित बनाए रखें। संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कोतू ने पारंपरिक किस्मों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देशी बीजों और पुरानी फसलों की किस्मों को बचाकर रखना हमारे कृषि भविष्य की सुरक्षा है। संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर. शर्मा ने किसानों से जैविक और प्राकृतिक खेती की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मिट्टी, जल और पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ यह तरीका हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।मेले में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों के स्वास्थ्य की जांच कर दवाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम में 320 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. मिश्रा ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग के नरवाई प्रबंधन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।मेले से पहले अतिथियों ने कृषि विज्ञान केंद्र की प्रदर्शनी इकाइयों का भ्रमण किया और आदिवासी उप परियोजना के अंतर्गत स्थापित कोदो-कुटकी प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन गृह वैज्ञानिक डॉ. विनीता सिंह ने किया। जनजातीय गौरव रथ यात्रा और कृषि मेला दोनों ही आयोजन यह संदेश दे रहे हैं कि बिरसा मुंडा केवल इतिहास के पन्नों में नहीं, बल्कि आज भी हर उस व्यक्ति के दिल में जीवित हैं जो अपनी मिट्टी, अपने हक और अपनी पहचान के लिए संघर्षरत है। इन आयोजनों ने न केवल ग्रामीणों को उनकी जड़ों से जोड़ा है, बल्कि आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की नई प्रेरणा भी दी है।

## नाबालिग से दुष्कर्म मामले का फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

### थाना प्रभारी की सक्रीयता रंग लाई

**बुढ़ार।** पिछले दो सप्ताह से फरार चल रहे नाबालिग दुष्कर्म मामले के आरोपी को पुलिस ने पकड़ने की सफलता अर्जित की है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने घटना दिनांक से आरोपी की पतासजी में सक्रियता के साथ लगीं हुईं थीं और दुष्कर्म मामले के आरोपी को सोमवार की रात्रि नगर परिषद चौक से घेराबंदी कर हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि नाबालिक एवं उसकी माता निवासी वार्ड नं.15 टिकुरी टोला बुढार ने अपनी 15 साल 08 माह की नाबालिक पुत्री के साथ थाना उपस्थित हो कर रिपोर्ट लेख कराया की दिनांक 27.अक्टूबर को शादी का झांसा देकर आर्यन चौधरी ले गया और ओपीएम मंदिर के पीछे ग्राउंड ले गया पीड़िता के साथ जोर जबरजस्ती कर साथ ग़लत काम किया जब मैने चिल्लाई और जिद की तो मुझे अपनी लाकर स्कूटी से स्कूल के पास ग्राउंड मे छोड़ कर भाग गया नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने थाना बुढार में अपराध क्रमांक 663/2025 धारा 641(2), 64(1), 65(1), 137(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 पास्को एक्ट के आरोपी आर्यन उर्फ आयुष चौधरी पिता रंगलाल चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 04 आहुजा पेट्रोल पंप के पास बुढार जो दिनांक 27. अक्टूबर 25 से लगातार फरार चल रहा था जिसे दिनांक 10. नवम्बर 25 को मुखबीर की सुचना पर धर-दबोचा जिसे 12 नवम्बर को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

### इनका कहना

घटना के संबंध में थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि विगत 27 अक्टूबर को आरोपी नाबालिग युवती को बहला फुसलाकर भगा ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म कर लड़की को छोड़कर भाग गया था फरियाद के मां थाने में आपबीती सुनाई जिस पर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी की पतासजी में सक्रियता के साथ पुलिस जुटी हुई थी आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

## किसान डीएपी के विकल्प में अन्य उर्वरकों का प्रयोग करें

**उमरिया।** उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने किसान को डी.ए.पी.के विकल्प हेतु समझाईश दी है कि किसान परंपरागत डीएपी का उपयोग करते हैं, जिसमें सिर्फ 2 पोषक तत्व नाइट्रोजन 18 प्रतिशत एवं फास्फोरस 46 प्रतिशत पाये जाते हैं। इसके और अधिक उपयोगी विकल्पों का कृषक बंधु उपयोग कर सकते हैं-पहला विकल्प नैनो डीएपी बीज उपचार के रूप में।1 किलो बीज में 5 मिली नैनो डीएपी का उपयोग कर सकते हैं। 500 मिली की एक बॉटल 100 कि0ग्रा0 बीज के लिए पर्याप्त। अच्छे परिणाम के लिए 30-35 दिन की फसल में 4 मिली प्रति लीटर पानी से खड़ी फसल में छिडक़ाव कर सकते हैं। नैनो डीएपी के लाभः नैनो डीएपी (600 रु. प्रति बॉटल) परंपरागत डीएपी रू 1350 से सस्ता है। नैनो डीएपी से मिट्टी, जल एवं वायु प्रदूषण में कमी आती है।भंडारण एवं परिवहन में सुविधाजनक। आप एक बैग में भी रख सकते हैं। जैव सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी भी है। फसल उपज अच्छी एवं गुणवता में वृद्धि। दूसरा विकल्प (यूरिया सिंगल सुपर फास्फेट) रू- एक बोरी डीएपी के स्थान पर 20 किलो मूरिया एवं 3 बोरी एसएसपी (सिंगल सुपर फास्फेट) का उपयोग कर सकते हैं। एसएसपी में फास्फोरस 16 प्रतिशत, सल्फर 12.5 प्रतिशत एवं केल्शियम 21 प्रतिशत होता है। लाभः सल्फर दलहनी फसलों में प्रोटीन की मात्रा एवं तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा को बढ़ा देता है तथा केल्शियम से अमलीय मृदा का पीएच नियंत्रित हो जाता है, जिससे मृदा की उर्वरता बढ़ जाती है और डीएपी से सस्ती भी है। एक बोरी लगभग 421 रु. की है। 20 किलो यूरिया एवं 2 बोरी एसएसपी (सिंगल सुपर फास्फेट) दोनों की कीमत डीएपी के लगभग बराबर है। तीसरा विकल्प (एनपीके 12:32:16) 1 बोरी डीएपी के स्थान पर एनपीके (12:32:16) का उपयोग कर सकते हैं इसमें नत्रजन 12 प्रतिशत, फास्फोरस 32 प्रतिशत एवं पोटाश 16 प्रतिशत पाया जाता है। अधिकतर किसान पोटाश का उपयोग नहीं करते हैं। जबकि यह एक पौधे के लिए आवश्यक मुख्य पोषक तत्व है। एनपीके 12:32:16 के लाभः नत्रजन, फास्फोरस तथा पोटाश 3 मुख्य पोषक तत्व प्राप्त हो जाते हैं। पोटाश के उपयोग से अन्य पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है, क्योंकि पोटाश फसलों में होने वाली रन्ध्रों के खुलने एवं बंद होने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है, जिससे जल के साथ पोषक तत्वों का अवशोषण बढ़ जाता है। पोटाश के उपयोग से बीज की चमक बढ़ जाती है। पोटाश के उपयोग से पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे फसलों में रोग कम लगते है तथा उत्पादन बढ़ जाता है। चौथा विकल्प (काम्पलेक्स 20:20:0:13)रू इसमें नत्रजन 20 प्रतिशत फास्फोरस 20 प्रतिशत तथा सल्फर 13 प्रतिशत पाया जाता है। सल्फर दलहनी फसलों में प्रोटीन एवं तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा को बढ़ा देता है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में इसका उपयोग करने से डीएपी की अपेक्षा अधिक लाभ प्राप्त होता है। इसका एक बोरी का रेट 1200 रु. है जो डीएपी से सस्ता भी है। अन्य विकल्पः इसी प्रकार एनपीके एवं काम्पलेक्स उर्वरक जैसे-14:35:14, 10:26:26, 15:15:15, 16:16:16, 14:28:14 आदि एनपीके उर्वरकों का उपयोग कृषक बंधू कर सकते हैं, जो डीएपी से अधिक उपयोगी है।

## सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम अवसर पर पर्यावरण प्रेमी मातृ-शक्तियों को किया सम्मानित

**बुढ़ार। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुढ़ार में सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत जबलपुर की योजना के अंतर्गत सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ वीणावादनी मां सरस्वती जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया।**

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में डॉ. आशा जैन के मुख्यातिथ, तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता व अध्यक्ष, नगर परिषद बकहो श्रीमती मौसमी केवट, सप्तशक्ति संगम जिला संयोजक श्रीमती सरिता शर्मा, श्रीमती अंजू गुप्ता, एवं नगर कार्यवाहिका राष्ट्र सेविका समिति श्रीमती मीनू जैन के विशिष्ट आतिथ्य तथा व्यवस्थापक रवि कुमार रजक, पार्षद श्रीमती सविता सिंह भदौरिया, श्रीमती सुमित्रा नामदेव, श्रीमती जूली रजक, श्रीमती माधुरी सराफ, प्राचार्य - रामसजीवन पटेल के आतिथ्य में कार्यक्रम को आयोजन किया गया। सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह रहा कि - महिलाओं को समाज के प्रति कर्तव्यबोध जागृत करना, उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारना तथा समाज कल्याण में उनका योगदान सुनिश्चित करना मुख्यतः रहा है, वहीं परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में नारी की भूमिका को सशक्त बनाना रहा।इस अवसर पर - सम्मान कार्यक्रम तथा प्रश्नोत्तरी एवं रंगोली, मेहंदी सहित विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मध्य संघर्षशील, पर्यावरण-प्रेमी एवं स्वावलंबी महिलाओं को विद्यालय परिवार की ओर से श्रीफल एवं साल भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में सप्तशक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहाकि - नारियों में असीम शक्ति निहित है, वे न केवल समाज का संचालन कर सकती हैं, बल्कि राष्ट्र की दिशा भी निर्धारित कर सकती हैं। नारी कुशल अर्थशास्त्री होती है, जो अपने परिवार को उत्तम रूप से संवारती व संभालती है।कार्यक्रम अवसर पर - डॉ. आशा जैन ने कहाकि - महिला ही संयुक्त परिवार का सशक्त संचालन कर सकती है। वह पर्यावरण के प्रति सजग रहते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर रहकर परिवार का पोषण कर सकती है। विद्यालय की बहनों द्वारा नारी सशक्तिकरण से संबंधित सांस्कृतिक एवं जन जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसकी कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति ने सराहना की।कार्यक्रम संयोजिका रूपाली तिवारी एवं सह-संयोजिका प्राची सिंह ने पूरे आयोजन का सफल संचालन एवं समन्वय किया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना प्राची सिंह ने तथा अतिथि परिचय रूपाली तिवारी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सिंपल फ्रांसिस एवं दिव्यांशी सोनी ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित माताओं को रिंकी सेन ने संकल्प दिलाया।

## लकी ड्रा ऑफर मिलने से ग्राहकों में खुशी

**अमलाई।** न्यूरल सिस्टम्स आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सुपर स्टोर, बुढ़ार द्वारा आयोजित लकी ड्रॉ ऑफर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राहकों ने भाग लिया। प्रथम पुरस्कार 75 इंच 4K QLED टीवी चांदनी ने जीता, द्वितीय पुरस्कार 1.5 टन स्प्लिट एसी डॉ. मोहित को मिला और तृतीय पुरस्कार स्मार्टफोन संजय गुप्ता को प्रदान किया गया।

इसके अलावा 25 अन्य ग्राहकों को भी उपहार दिए गए तथा बच्चों के लिए आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्टोर संचालक विवेक पांडे ने ग्राहकों का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे आकर्षक ऑफर्स जारी रखने की बात कही।

## न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत शासकीय कन्या शिक्षा परिसर कटकोना में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

**बुढ़ार ।** न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, कटकोना में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल श्री काशीनाथ सिंह के मार्गदर्शन में तथा श्री सुशील कुमार अग्रवाल, जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार एवं मां. न्यायाधीश श्रीमती आकांक्षा तेकाम, श्री ऋषव दीक्षित एवं श्री लक्ष्मण रोहित, व्यवहार न्यायाधीश, बुढ़ार की गरिमामयी उपस्थिति में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानून के प्रति समझ एवं उनके अधिकारों के प्रति सजगता बढ़ाना रहा है और शिविर में छात्राओं को विभिन्न विधिक विषयों जैसे पॉक्सो एक्ट, संविधान से संबंधित जानकारी, डिजिटल अरेस्ट, मौलिक अधिकार तथा अन्य कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कानून की मूलभूत अवधारणाओं से अवगत कराते हुए कहा कि- जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज की नींव होते हैं। कार्यक्रम में - शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, कटकोना की प्राचार्य श्रीमती वर्षा दुबे, शिक्षकगण, तथा विधिक सेवा समिति, न्यायालय बुढ़ार से संबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता नितिन कुमार रजक और अभिषेक मुखर्जी की उपस्थिति रही। इस अवसर पर छात्राओं ने विधिक विषयों पर प्रश्न किये, जिनका मा. न्यायिक अधिकारियों ने सरल व सारगर्भित उत्तर देकर उनके प्रश्नों से उन्हें जागरूक किया।

## ओरिएंट पेपर मिल्स में विधिक सेवा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**अमलाई। विधिक सेवा सप्ताह के अवसर पर तहसील बुढ़ार विधिक सेवा समिति द्वारा ओरिएंट पेपर मिल्स परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ओरिएंट पेपर मिल के मुख्य संचालन अधिकारी सी. एस. काशीकर के मार्गदर्शन में तथा जी. एम. एच. आर. रवि प्रकाश सिंह और जी. एम. आई. आर. सतीश शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।**

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आकांक्षा टेकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषव दीक्षित और न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी लक्ष्मण रोहित की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी न्यायिक अधिकारियों का ओपीएम के अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।कार्यक्रम के दौरान सुशील कुमार अग्रवाल ने कर्मचारियों को कानूनी जानकारी देते हुए सुरक्षा के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

**उपकरणों का उपयोग करने की सलाह**

कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने सरकारी दस्तावेजों — जैसे आधार, पैन, बैंक खाते आदि — में एक जैसी जानकारी रखना और नॉमिनी रखना अत्यंत आवश्यक है, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी कठिनाई का सामना न करना पड़े।उन्होंने कर्मचारियों को सूदखोरी से सावधान रहने, वाहन चलाते समय लाइसेंस और बीमा अनिवार्य रूप से साथ रखने तथा इनके अभाव में होने वाली कानूनी परेशानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अन्य विधिक विषयों पर भी उपयोगी जानकारी साझा की गई।कार्यक्रम में ओपीएम के मुख्य संचालन अधिकारी सी. एस. काशीकर, जी. एम. एच. आर. रवि प्रकाश सिंह, जी. एम. आई. आर. सतीश शर्मा, सुरक्षा अधिकारी रवि शर्मा, कल्याण अधिकारी नागेंद्र यादव, एम्प्लॉई रिलेशन अधिकारी अजय मिश्रा, राजेश तिवारी, हरिओम शर्मा ओपीएम के कर्मचारी, श्रमिक यूनियन पदाधिकारी सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार के सहयोग से किया गया।

## दुर्गा मंदिर परिसर के सांस्कृतिक मंच से कब्जा हटा पर अतिक्रमण पूरी तरह मुक्त हुआ या नहीं सवाल बरकरार

**अमलाई।** अमलाई स्थित दुर्गा मंदिर परिसर के सांस्कृतिक मंच पर पार्षद पुत्रों द्वारा किए गए कब्जे को लेकर उठे विवाद के बाद नगर परिषद द्वारा कार्रवाई की गई थी। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद कब्जा तो हटा दिया गया, लेकिन अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या पूरा मंच वास्तव में अतिक्रमण मुक्त हो चुका है?

शिकायतकर्ता अखिलेश कुमार सिंह ने नगर परिषद बरगवां (अमलाई) के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को पत्र भेजकर मांग की है कि स्थल की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि संपूर्ण भूमि पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त है। उनका कहना है कि संबंधित भूमि शासन की स्वामित्व वाली है और इसे आम जनता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए आरक्षित किया गया है।

शिकायत में कहा गया है कि कब्जा हटाने के बाद भी कुछ भाग पर स्थिति स्पष्ट नहीं है, जिससे जनमानस में संदेह बना हुआ है। प्रार्थी ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि आम नागरिकों को यह विश्वास हो सके कि अब वह मंच पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से उपयोग में लाया जा सकता है।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पूर्व में दी गई शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा चुकी है। अब पुनः सत्यापन और आमजनमानस को विश्वास दिलाये जाने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

### बस स्टैंड सहित रेलवे चौक और मुख्य मार्गों पर अलाव की दरकार

# ठण्ड के आक्रामक होने के बावजूद अलाव की व्यवस्था नहीं

**यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी, जनता की नाराज़गी**

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले मुख्यालय अनूपपुर में पिछले चार-पाँच दिनों से ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। सुबह-शाम के समय तेज ठंड और शीतलहर से आमजन बेहाल हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है जो दूर-दराज़ से आकर बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन पर घंटों अपने वाहन या ट्रेन का इंतजार करते हैं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को ठिठुरते हुए समय बिताना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन को ठंड के मौसम में बस स्टैंड रेलवे चौक पुरानी सब्जी मंडी अमरकंटक तिराहा मंदिर तिराहा और अस्पताल चौक जैसे व्यस्त स्थानों पर तत्काल अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके। पिछले वर्ष भी नगर पालिका द्वारा जगह-जगह लकड़ी और अलाव की व्यवस्था कराई गई थी जिससे लोगों को काफी राहत मिली थी। लेकिन इस बार ठंड की शुरुआत के बाद भी अभी तक किसी भी स्थान पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है।

## यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर हर दिन जिले के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। देर रात या सुबह-सुबह ट्रेन और बसों के इंतज़ार में बैठे यात्रियों को ठंड से ठिठुरना पड़ रहा है। कई बार बच्चे और बुज़ुर्ग यात्री खुले आसमान के नीचे कांपते दिखाई देते हैं। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि शाम होते ही तापमान में तेजी से गिरावट आने लगती है लेकिन अलाव के अभाव में लोग किसी दुकान के सामने या चाय-ठेलों के पास थोड़ी गर्मी पाने की कोशिश करते हैं।

## जनता ने जताई नाराज़गी

नगर के समाजसेवी और व्यापारी संगठनों ने कहा कि ठंड से राहत के लिए अलाव की व्यवस्था नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पिछले वर्ष दिसंबर में नगर पालिका द्वारा सभी स्थलों पर लकड़ियाँ उपलब्ध कराई गई थीं जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली थी। इस बार भी यदि समय रहते अलाव की व्यवस्था नहीं की गई तो किसी भी प्रकार की अनहोनी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। बाहर से आने वाले मुसाफिरों ने ने बताया कि सुबह-शाम धुंध और शीतलहर के कारण सड़क पर दृश्यता भी कम हो जाती है। यदि अलाव की व्यवस्था रहे तो न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि आसपास की रोशनी से सुरक्षा की दृष्टि से भी सुविधा रहेगी।

## नगर पालिका से त्वरित कार्रवाई की मांग

नगर के नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से आग्रह किया है कि ठंड बढ़ने के इस समय में तत्काल प्रभाव से प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रमुख स्थलों पर लकड़ी एवं अलाव सामग्री की व्यवस्था करने से आमजन को राहत मिलेगी और किसी प्रकार की अनहोनी से बचाव संभव होगा। लोगों ने उम्मीद जताई है कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिकारी जनता की भावना को समझते हुए शीघ्र ही कार्रवाई करेंगे। ठंड के मौसम में यह कदम न केवल जनसुविधा बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी आवश्यक है।

# संघ के शताब्दी पर्व पर अमरकंटक में पथ संचलन आयोजित

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी पर्व के उपलक्ष्य में अमरकंटक में भव्य पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत ध्वज पूजन के साथ हुआ, जिसके पश्चात स्वयंसेवक निर्धारित स्थल पर एकत्रित हुए। संपूर्ण नगर में अनुशासित पंक्तियों में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। रामघाट से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यह संचलन नगर भ्रमण पर निकला। नागरिकों ने सड़क किनारे खड़े होकर तालियों से उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा शारीरिक प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक श्रीकांत शर्मा (महाकौशल प्रांत) ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संघ, जो 1925 के दशहरा पर्व पर आरंभ हुआ था, आज शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्षों में संघ समाज सेवा, कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण को अपने प्रमुख लक्ष्यों में रखकर कार्य करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि "वंदे मातरम्" गीत को 150 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं, जो राष्ट्रभावना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दमयंती दीदी जो पर्वतारोही है संघ का लक्ष्य गांव में जाना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नगर के स्वयंसेवकों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों का विशेष सहयोग रहा।

## ठण्ड के कारण स्कूलों का बदला समय, 9:30 बजे से संचालित होंगे विद्यालय

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजधानी भोपाल सहित ज्यादातर प्रमुख शहरों में कई सालों के सर्दी के रिकार्ड टूट गए हैं। अनूपपुर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री से कम पर पहुंच गया है। ठंड के कारण स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। सुबह की शिफ़्ट का समय बढ़ाने की मांग की जा रही है। जिस पर अनूपपुर कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की यह मांग मान भी ली है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए सुबह की शिफ़्ट के समय में बदलाव संबंधी आदेश मंगलवार को जारी कर दिया है। जारी आदेश में जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम मार्को ने बताया कि जिले पिछले दिनों से लगातार मौसम में परिवर्तन जारी है तथा मौसम में परिवर्तन के कारण ठण्ड बढ़ रही है। जिसके कारण विद्यार्थियों को होने वाली परेशानी, जोखिम एवं विद्यार्थियों के हित को देखते हुये जिले में संचालित समस्त शासकीय अशासकीय, मान्यताप्राप्त सीबीएसई आईसीएसई नवोदय विद्यालय जो दो पालियो में संचालित हो रही हैं उनके प्रथम पाली के संचालन समय में परिवर्तन करते हुए 12 नवम्बर से आगामी आदेश तक के लिए सुबह 09:30 बजे से संचालित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

## ई-अटेंडेंस से मुक्ति और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर एएनएम संघ ने सौंपा ज्ञापन

**नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में संभव नहीं उपस्थिति दर्ज करना**

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** संयुक्त एएनएम एसोसिएशन (संविदा-नियमित कर्मचारी संघ) ने आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) आर.के. वर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ई-अटेंडेंस से मुक्ति, वेतन वृद्धि और अन्य मांगों को लेकर एएनएम कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया।एएनएम संघ ने बताया कि वे फील्ड स्तर की कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रतिदिन 2 से 4 गांवों में भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाएं देना होती हैं। कई क्षेत्रों में नेटवर्क सुविधा न होने से ई-अटेंडेंस दर्ज करना कठिन हो जाता है। ऐसे में सब-हेल्थ सेंटर (एसएचसी) पर उपस्थित होकर क्षेत्र में जाना और फिर लौटकर उपस्थिति बंद करना व्यावहारिक नहीं है। संघ ने मांग की कि एएनएम को फील्ड कर्मचारियों के रूप में सार्थक अटेंडेंस से मुक्त रखा जाए।संघ ने समयमान क्रमोन्नति, एरियर, महंगाई भत्ता (डीए) और मकान किराया भत्ता (एचआरए) का शीघ्र भुगतान करने की भी मांग की। उनका कहना है कि अन्य जिलों में एएनएम को एचआरए का लाभ मिल रहा है, जबकि अनूपपुर में इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि रिक्त एसएचसी का कार्य अन्य क्षेत्र की एएनएम से करवाया जा रहा है, जबकि भोपाल के पत्र क्रमांक एन/एच/एम/माह स्वास्थ्य 2025/12389 दिनांक 14 फरवरी 2025 के अनुसार टीकाकरण का कार्य कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) से करवाया जाना चाहिए। संघ ने कहा कि आयुष्मान आरोग्यम मंदिर पर पदस्थ सीएचओ को एनसीडी स्क्रीनिंग, सिकल सेल एनीमिया जांच, टीबीआईडी निर्माण और टीबी स्क्रीनिंग जैसे कार्य करने हैं। यदि सीएचओ उपलब्ध नहीं हैं और एएनएम ये कार्य कर रही हैं, तो उनकी प्रोत्साहन राशि एएनएम को दी जाए या ऑनलाइन कार्य कंप्यूटर ऑपरेटर से कराया जाए।संविदा एएनएम ने वेतन वृद्धि और समय पर भुगतान की मांग करते हुए कहा कि वे नियमित कर्मचारियों के समान कार्य करती हैं, इसलिए समान वेतनमान मिलना चाहिए।साथ ही, संघ ने एएनएम को पुनः नर्सिंग कैडर में शामिल करने और ग्रेड-पे 2100 से बढ़ाकर 3200 करने की भी मांग रखी।

### कदम लड़खड़ा ही गये पीते पीते ....

## रेलवे स्टेशन के सामने शराब के नशे में धुत मिला पुलिस कांस्टेबल

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** अनूपपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के सामने मंगलवार शाम एक पुलिस कांस्टेबल शराब के नशे में बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। कांस्टेबल की पहचान मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के अरविंद इक्का के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कांस्टेबल पूरी तरह से शराब के नशे में था, जब कुछ लोगों ने उसे उठाने का प्रयास किया तो वह उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौज करने लगा। मौके पर मौजूद राहगीरों ने बताया कि कांस्टेबल की जेब से पुलिस विभाग का एक आईडी कार्ड भी मिला, जिसमें उसका पदनाम कांस्टेबल अरविंद इक्का और संबद्धता सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, कम श्निर 18वीं बटालियन, एमपीएसएएफ शिवपुरी (मध्यप्रदेश) अंकित है। फिलहाल, कांस्टेबल रेलवे स्टेशन के सामने ही लेटा हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

# आईजीएनटीयू के सुरक्षा व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के सुविधाओं एवं समस्याओं के संबंध में बैठक संपन्न

**सुरक्षित व व्यवस्थित पठन पाठन के विश्वविद्यालय प्रबंधन को कलेक्टर के निर्देश**

**विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी आवश्यक- पुलिस अधीक्षक**

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक एक बहुप्रतिष्ठित एवं राष्ट्रीय महत्व का शिक्षण संस्थान है, जहां विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ संस्कार का भी संवर्धन किया जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की गरिमा, अनुशासन एवं शैक्षणिक वातावरण को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था एवं आंतरिक प्रशासनिक तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में समस्त कार्य केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की सुविधाओं एवं समस्याओं के निराकरण हेतु प्रभावी तंत्र स्थापित किया जाए तथा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता एवं संवेदनशील बनाया जाए। कलेक्टर श्री पंचोली विश्वविद्यालय परिसर के सभागार में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय प्रबंधन को निर्देशित कर रहे थे।

### मुख्य प्रवेश द्वार को और अधिक करें व्यवस्थित

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था एवं मुख्य प्रवेश द्वार की स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बताया गया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 117 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, जो सुरक्षा व्यवस्था के सुचारू संचालन में संलग्न हैं। इन सुरक्षाकर्मियों की 8-8 घंटे की तीन शिफ्टों में ड्यूटी निर्धारित की गई है, जिनमें प्रत्येक शिफ्ट में लगभग 32 से 33 सुरक्षाकर्मी विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा एवं निगरानी का कार्य करते हैं। बैठक में यह भी अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में एक प्रमुख प्रवेश द्वार से आवागमन होता है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्य प्रवेश द्वार को और अधिक व्यवस्थित एवं नियंत्रित स्वरूप में विकसित किया जाए, जिससे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो सके तथा प्रवेश प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो।

### नही हो मूलभूत आवश्यकताओं की कमी

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं एवं उनसे संबंधित समस्याओं के विषय में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें एक उत्तम एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, आवास, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के संबंध में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़े सभी मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए।

### विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाएं हेल्पलाइन नंबर

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग के लिए एक समुचित कंट्रोल रूम बनाया जाए, जिसमें एक अधिकृत अधिकारी या कर्मी की ड्यूटी नियमित रूप से लगाई जाए, जो परिसर में हो रही सभी गतिविधियों पर सतत निगरानी रख सके। पुलिस अधीक्षक ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि परिसर में एंटी रैगिंग समिति का गठन किया जाए तथा सभी विद्यार्थियों को हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, जागरूकता संबंधी सूचना बोर्ड विश्वविद्यालय परिसर के प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएं और विद्यार्थियों की शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष शिकायत पेटी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय एवं उसके आसपास के क्षेत्र में समय-समय पर पुलिस पेट्रोलिंग की जाएगी, ताकि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके।

### हर पखवाड़े एसडीएम करेंगे रिपोर्ट प्रस्तुत

बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक 15-15 दिवस के अंतराल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की सुरक्षात्मक व्यवस्था का निरीक्षण करें तथा निरीक्षण रिपोर्ट संबंधित विभाग को प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक एवं सुविधाजनक विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की। इनमें खेल गतिविधियों के संचालन, रात्रिकालीन विद्युत व्यवस्था, विद्यार्थियों के परिचय पत्रों का वितरण, कचरा प्रबंधन एवं साफ-सफाई व्यवस्था, मेस संचालक से संवाद तथा विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर एवं चिकित्सीय सुविधाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि इन सभी बिंदुओं पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानकों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो सके।

# पंचायत की परिसंपत्ति को पोर्टल पर प्रविष्ट करने जिपं सीईओ के निर्देश

### अधोसंरचना निर्माण के कार्यों की पूर्णता पर दिया बल

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत सकरा, सिवनी, मुंडा, कुकुरगोड़ा, कदमसरा क्षेत्र के विभिन्न अधोसंरचना तथा व्यक्तिगत श्रेणी के हितग्राही मूलक योजनाओं व ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों का अवलोकन कर जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के रैकवार, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ उमेश द्विवेदी मनरेगा के परियोजना अधिकारी रावेन्द्र पटेल, जनपद पंचायत जैतहरी के प्रभारी सहायक कार्यक्रम अधिकारी दीपक उरमालिया सहित सर्व संबंधित जन उपस्थित रहे। कार्यों के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने नल जल योजना के लाभान्वित हितग्राही, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों, कपिलधारा कूप के हितग्राहियों से उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को ग्रामीण विकास के अधोसंरचना कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत भवन में परिसंपत्ति पोर्टल में प्रविष्टि की समीक्षा कर ग्राम पंचायत की सभी परिसंपत्तियों की प्रविष्टि के निर्देश दिए उन्होंने निर्माण पंजी का अवलोकन कर इसे अद्यतन करने के निर्देश दिए। ग्राम सकरा में शिव स्व सहायता समूह द्वारा बनाए जा रहे सीमेंट पोल प्लांट का निरीक्षण कर इसका उपयोग स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि इससे स्व सहायता समूह के कार्यों को प्रोत्साहन के साथ ही आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत सिवनी के पंचायत भवन कार्य को 15 दिवस में पूर्ण करने तथा आजीविका भवन के निर्माण कार्य में गति लाकर कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने आरसीसी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को वर्ष 2023- 24 के स्वीकृत आरसीसी सड़क निर्माण कार्यों को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मुंडा में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्त्रोत का परीक्षण कर अतिरिक्त बोर कर ग्रामीण बसाहट को जल प्रदाय सुनिश्चित करने तथा कार्य पूर्णता के पश्चात जलकर की वसूली आवश्यक रखरखाव के लिए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

## प्रिया मेडिकल स्टोर अनूपपुर ने रेलवे को भेंट की दो व्हीलचेयर

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** मध्यप्रदेश सेवा और मानवता की भावना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रिया मेडिकल स्टोर, अनूपपुर के संचालक सागर कुशवाहा ने अपनी नानी स्वर्गीय लीलावती वर्मा की पावन स्मृति में रेलवे स्टेशन अनूपपुर को दो व्हीलचेयर भेंट की हैं। यह व्हीलचेयर स्टेशन परिसर में दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं जरूरतमंद यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। इस पुनीत कार्य से समाज में निःस्वार्थ सेवा और मानवीय संवेदना का संदेश गया है। रेलवे स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रिया मेडिकल स्टोर, अनूपपुर के संचालक सागर कुशवाहा के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे प्रयास समाज के अन्य लोगों को भी जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। सागर कुशवाहा ने बताया कि यह योगदान उनकी नानी स्व. लीलावती वर्मा की स्मृति को समर्पित एक विनम्र श्रद्धांजलि है। उन्होंने अपने जीवन में सदैव सेवा, करुणा और मानवीयता का संदेश दिया, जिनसे प्रेरित होकर यह कार्य किया गया है।

## गर्भवती महिलाओं के लिए पूरक पोषण तक पहुँच में सुधार कार्य में जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन

**1 लाख रुपये सम्मान पत्र से कलेक्टर हर्षल पंचोली हुये सम्मानित**

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** अनूपपुर जिले ने नीति आयोग द्वारा आयोजित "नीति फॉर स्टेट्स- यूज़ केस चैलेंज" में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली को सम्मान पत्र प्रदान किया गया है तथा जिले को 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत जिले द्वारा किए गए नवाचारपूर्ण कार्यों, प्रभावी क्रियान्वयन और डेटा-आधारित प्रशासनिक सुधारों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया है। यह सम्मान "स्वास्थ्य एवं पोषण" श्रेणी के अंतर्गत "गर्भवती महिलाओं के लिए पूरक पोषण तक पहुँच में सुधार" विषय पर किए गए नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह सम्मान पूरे जिले की टीमवर्क, नवाचार और जनभागीदारी का परिणाम है। हम आगे भी जिले को देश के अग्रणी जिलों में शामिल करने के लिए इसी तरह सतत प्रयास करते रहेंगे।

## मेड़ियारास व केल्हौरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार जिला अनूपपुर में 9 से 14 नवम्बर तक "न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह" मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में विहित प्रक्रिया की जानकारी तथा जनसामान्य तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना है। उक्त "न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह" कार्यक्रम के अन्तर्गत 12.11.2025 को ग्रामीण एवं श्रमिक बस्तियों के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मेडियारास एवं केल्हौरी मे विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर कार्यक्रमों में, विनोद कुमार वर्मा "सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर" ने "न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह" की जानकारी दी साथ ही श्रमिको का संबोधित करते हुये समान मजदूरी, कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, कर्मचारी बीमा अधिनियम, आयुष्मान एवं श्रमिक कार्ड इत्यादि शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। बृजेश पटैल "जिला विधिक सहायता अधिकारी", द्वारा विधिक सहायता, विधिक सलाह, श्रमिकों के अधिकार सहित टोल फ्री नंबर 15100 की जानकारी प्रदान की। उक्त शिविर में ग्राम पंचायत मेडियारास के सरपंच भैयालाल नापित उपसरपंच नर्मदा प्रसाद पटेल, ग्राम पंचायत केल्हौरी के सरपंच राजपाल सिंह, सचिव संजय सिंह परिहार, पीएलव्ही रामखेलावन पटेल एवं राजेश सोनी सहित बडी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।